MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:02 SEPTEMBER. 2025

जनसंचार विभाग की पहल

Master Class

मीडिया & पुलिस

सोमवार, 1 सितंबर 2025, समय- दोपहर 3.45

मुख्य वक्ता

श्री हरिनारायण चारी मिश्रा

पुलिस आयुक्त, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

एमसीयू के मीडिया प्रबंधन विभाग में विशेष व्याख्यान

रेडियो और कंटेंट क्रिएशन पर छात्रों को मिला नया दृष्टिकोण

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के मीडिया मैनेजमेंट विभाग द्वारा स्वर कोकिला लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में एक विशेष विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर एवं पूर्व रेडियो जॉकी सुश्री पिंकी तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. अविनाश बाजपेयी के मार्गदर्शन और विभागीय संकाय सदस्यों के सतत सहयोग से सम्पन्न हुआ। सत्र के अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन विभाग की वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक सुश्री मनीषा वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुश्री तिवारी ने रेडियो जगत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को उच्चारण सुधारने के व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने अपने रेडियो करियर से जुड़ी प्रेरणादायक और भावनात्मक कहानियाँ सुनाकर यह बताया कि किस प्रकार रेडियो लोगों के जीवन को गहराई से प्रभावित करता है। सत्र को और अधिक रोचक बनाने के लिए उन्होंने छात्रों के साथ कंटेंट क्रिएशन पर एक इंटरएक्टिव गतिविधि भी आयोजित की, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता और ऊर्जा के साथ भाग लिया। पूरे कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को न केवल नई जानकारी और तकनीकी समझ प्रदान की, बल्कि उन्हें रचनात्मकता और संवाद कौशल को और निखारने के लिए प्रेरित भी किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK MADHYA SWARNIM'02 SEPTEMBER.2025

अपराधों की भौगोलिक सीमा खत्म हो चुकी

पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी ने माखनलाल में ली मास्टर क्लास

स्वदेश समाचार ■ भोपाल

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र सोमवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में शामिल हुए। वे एक प्रोफेसर की तरह भावी पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि 'साइबर क्राइम के दौर में अब अपराधों की भौगोलिक सीमा खत्म हो चुकी हैं।

कोई कहीं से भी कुछ भी अपराध कर सकता है। पुलिस की चुनौती तो बढ़ी ही है लेकिन मीडिया की भूमिका भी अब ज्यादा खास हो गई है। सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलो की चाह आज के युवाओं को भटका रही है। उन्होंने बताया कि विएना में आत्महत्या की घटनाओं पर हुए एक शोध से पता चला कि मीडिया में अतिरंजित घटनाएं नकारात्मक प्रभाव पैदा करती हैं। एक छोटी सी सूचना को बड़ी खबर बनाकर पेश करना लाखों संवेदनशील लोगों के मन पर बुरा असर करता है।

इस शोध के बाद दो माह तक जब कवरेज संतुलित रखा गया तो घटनाओं में 40 फीसदी की कमी आई। इसका सबक है कि हत्या-आत्महत्या जैसे घृणित क्राइम को अतिरेक में जाकर न लिखें। जितना जरूरी है उतनी ही सूचना दें।

रेडियो और कंटेंट क्रिएशन पर छात्रों को मिला नया दृष्टिकोण

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के मीडिया मैनेजमेंट विभाग द्वारा स्वर कोकिला लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में एक विशेष विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर एवं पूर्व रेडियो जॉकी पिंकी तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. अविनाश बाजपेयी के मार्गदर्शन और विभागीय संकाय सदस्यों के सतत सहयोग से सम्पन्न हुआ। सत्र के अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन विभाग की वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक मनीषा वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'02 SEPTEMBER.2025

एमसीयू में मीडिया और पुलिस विषय पर विषय पर मास्टर क्लास

फेक न्यूज का वाहक न बने मीडिया: हरिनारायणचारी मिश्र

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं वैसी नहीं होतीं। अक्सर उनकी पड़ताल करने कुछ अलग ही सच उजागर होता है। वस्तुनिष्ठता के बजाए भावनाओं के आधार पर लिखने से चीजें बिगड़ सकती हैं। यह बात भोपाल के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने सोमवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'मीडिया और पुलिस' विषय आयोजित पर मास्टर क्लास को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला, विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी मौजूद रहे। हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि मीडिया रिपोर्टिंग की कसौटी है जनहित और राष्ट्रहित। उनका कहना था कि मीडिया की सक्रियता के चलते कई कानून बदले और कई कानूनों को और कड़ा बनाया गया। इसके साथ ही अनेक मामले मीडिया के दबाव में खुले और सामने आए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

तकनीक के कारण अपराध का तरीका बदला

हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध का तरीका बदला है, भौगोलिक सीमाएं भी टूट गयी हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह के विनियमित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तर्कसंगत ढंग से घटना को न देखें तो जांच की दिशा बदल जाती है। ऐसे में लोगों के जागरूक करने में मीडिया की भूमिका बहुत महत्त्व की है। उन्होंने बताया की कई बार अपराध को ग्लैमराइज्ड करके दिखाया जाता है। इससे समाज में गलत चलन का खतरा पैदा होता है। देखा गया है कि आत्महत्या की खबरों को बढ़ा- चढ़ा कर पेश करने से आत्महत्याओं की संख्या बढ़ जाती है।

अच्छे नागरिक भी बनें और अच्छे पत्रकार भी

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि लगातार गांवों से शहरों की तरफ पलायन से पुलिस पर दबाव बढ़ा है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर दुहरा दबाव है कि वे अच्छे नागरिक भी बनें और अच्छे पत्रकार भी। राष्ट्रीय सुरक्षा के सवालों को रिपोर्ट करते समय हमें ध्यान रखना है कि क्या देना और क्या नहीं देना।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'02 SEPTEMBER.2025

ब्रीफ न्यूज

मीडिया को अपराधों को ग्लैमराइज करने से बचना चाहिए : मिश्रा

भोपाल। कई बार घटनाएं जैसी दिखती हैं वैसी होती नहीं हैं, पड़ताल करने पर अक्सर कोई अलग ही सच सामने आता है। यह विचार पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में व्यक्त किए। वह 'मीडिया और पुलिस' विषयक मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया को अपराधों को ग्लैमराइज करने से बचना चाहिए क्योंकि इससे समाज में गलत चलन का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने साफ कहा कि मीडिया रिपोर्टिंग की कसौटी हमेशा जनहित और राष्ट्रहित होनी चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन ने पुलिस के काम का बोझ बढ़ा दिया है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों की जिम्मेदारी है कि वे न केवल अच्छे पत्रकार बनें, बल्कि अच्छे नागरिक भी साबित हों। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला, विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी, डॉ. पवित्र श्रीवास्तव, शिक्षकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'02 SEPTEMBER.2025

पुलिस आयुक्त ने छात्रों को किया संबोधित

वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता अपनाएं, फेक न्यूज से बचें : हरिनारायणचारी मिश्रा

भोपाल@पत्रिका. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में जनसंचार विभाग ने 'मीडिया और पुलिस' विषय पर मास्टर क्लास का आयोजन किया। इस मौके पर भोपाल के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं, वैसी नहीं होतीं। गहन पड़ताल के बाद अक्सर अलग सच सामने आता है। ऐसे में पत्रकारों को चाहिए कि वे भावनाओं के बजाय वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से तथ्यों को प्रस्तुत करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला तथा विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी भी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध के तौर-तरीके बदले हैं और भौगोलिक सीमाएं भी धुंधली हो गई हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह का संतुलन और विनियमन बेहद जरूरी है। वहीं कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि गांवों से शहरों की ओर लगातार हो रहे पलायन ने पुलिस पर कार्यभार और दबाव दोनों बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर यह दोहरी जिम्मेदारी है कि वे न केवल अच्छे पत्रकार बनें, बल्कि संवेदनशील नागरिक भी हों।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'02 SEPTEMBER.2025

कंटेंट क्रिएशन से छात्रों को मिला दृष्टिकोण

भोपाल, 01 सितम्बर. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के मीडिया मैनेजमेंट विभाग द्वारा स्वर कोकिला लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में एक विशेष विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया.

इसमें प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर एवं पूर्व रेडियो जॉकी पिंकी तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया. कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. अविनाश बाजपेयी के मार्गदर्शन और संकाय सदस्यों के सहयोग से सम्पन्न हुआ. सत्र के दौरान तिवारी ने रेडियो जगत से जुड़े अनुभव साझा किए और छात्रों को उच्चारण सुधारने के व्यावहारिक सुझाव दिए. उन्होंने अपने रेडियो करियर की प्रेरणादायक और भावनात्मक कहानियाँ सुनाकर बताया कि किस प्रकार रेडियो लोगों के जीवन को गहराई से प्रभावित करता है. सत्र को और अधिक रोचक बनाने के लिए उन्होंने छात्रों के साथ कंटेंट क्रिएशन पर एक इंटरएक्टिव गतिविधि भी कराई, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता और ऊर्जा के साथ भाग लिया.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVBHARAT'02 SEPTEMBER.2025

फेक न्यूज का वाहक न बने मीडियाः चारी

भोपाल(काप्र)।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सोमवार को मीडिया और पुलिस विषय पर आयोजित मास्टर क्लास में पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि मीडिया को वस्तुनिष्ठता बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि घटनाएं अक्सर जैसी दिखती हैं, वैसी नहीं होतीं। कई बार पड़ताल करने पर अलग ही सच सामने आता है। ऐसे में भावनाओं के आधार पर लिखने से स्थिति बिगड़ सकती है। श्री मिश्रा ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध की प्रकृति और तरीका बदल गया है तथा भौगोलिक सीमाएं टूट चुकी हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि अपराध को ग्लैमराइज करने और आत्महत्या की खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने से समाज में नकारात्मक प्रवृत्तियां बढ़ती हैं। मीडिया की कसौटी हमेशा जनहित और राष्ट्रहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया की सक्रियता के कारण कई कानूनों में बदलाव हुए और कई मामलों का सच सामने आया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि शहरीकरण और पलायन से पुलिस पर दबाव बढ़ा है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर जिम्मेदारी है कि वे अच्छे नागरिक और अच्छे पत्रकार दोनों बनें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला, विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी सहित शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'02 SEPTEMBER.2025

फेक न्यूज से बचें, वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता अपनाएंः हरिनारायणचारी

भोपाल। जिले के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं, वैसी नहीं होतीं। गहन पड़ताल के बाद अक्सर अलग सच सामने आता है। ऐसे में पत्रकारों को चाहिए कि वे भावनाओं के बजाय वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से तथ्यों को प्रस्तुत करें, क्योंकि संवेदनाओं पर आधारित रिपोर्टिंग कई बार परिस्थितियों को बिगाड़ सकती है।

मिश्रा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'मीडिया और पुलिस' विषय पर मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला तथा विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध के तौर-तरीके बदले हैं और भौगोलिक सीमाएं भी धुंधली हो गई हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह का संतुलन और विनियमन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि घटनाओं को तर्कसंगत दृष्टिकोण से न देखा जाए तो जांच की दिशा ही बदल सकती है। ऐसे में समाज को सही जानकारी देने और लोगों को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अपराधों को ग्लैमराइज करके दिखाना समाज में गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। आत्महत्या की खबरों को सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत करने से आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया रिपोर्टिंग का मूल आधार जनहित और राष्ट्रहित होना चाहिए। मिश्रा ने कहा कि मीडिया की सक्रियता के कारण कई कानून बने, कई कानून कड़े किए गए और अनेक मामले सामने आए जो अन्यथा दबे रह जाते। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि गांवों से शहरों की ओर लगातार हो रहे पलायन ने पुलिस पर कार्यभार और दबाव दोनों बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर यह दोहरी जिम्मेदारी है कि वे न केवल अच्छे पत्रकार बनें, बल्कि संवेदनशील नागरिक भी हों। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों की रिपोर्टिंग में पत्रकारों को यह सतर्कता रखनी चाहिए कि समाजहित में क्या प्रसारित करना उचित है और क्या नहीं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RASHTRIYA HINDIMAIL'02 SEPTEMBER.2025

क्राइम को ग्लैमराइज करके दिखाना गलत प्रवृत्तियों को देता है बढ़ावा: पुलिस आयुक्त

- फेक न्यूज से बचें, वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता अपनाएं: हरिनारायणचारी
- एमसीयू में मीडिया और पुलिस विषय पर मास्टर क्लास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं, वैसी नहीं होतीं। गहन पड़ताल के बाद अक्सर अलग सच सामने आता है। ऐसे में पत्रकारों को चाहिए कि वे भावनाओं के बजाय वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से तथ्यों को प्रस्तुत करें, क्योंकि संवेदनाओं पर आधारित रिपोर्टिंग कई बार परिस्थितियों को बिगाड़ सकती है। मिश्रा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'मीडिया और पुलिस' विषय पर मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला तथा विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'02 SEPTEMBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 02-09-2025

सिटी एंकर

भावी पत्रकारों से रूबरू हुए पुलिस कमिश्नर, बोले- सोशल मीडिया की चमक में भटकें नहीं

एमसीयूः पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी की मास्टर क्लास, अपराधों की भौगोलिक सीमा खत्म हुई, मीडिया की भूमिका अब ज्यादा खास

विशेष संवाददाता | भोपाल

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र सोमवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) की मास्टर क्लास में आए। वे एक प्रोफेसर की तरह भावी पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा- 'साइबर क्राइम के दौर में अब अपराधों की भौगोलिक सीमा खत्म हो चुकी हैं। कोई कहीं से भी कुछ भी अपराध कर सकता है। पुलिस की चुनौती तो बढ़ी ही है लेकिन मीडिया की भूमिका भी अब ज्यादा खास हो गई है। सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलो की चाह आज के युवाओं को भटका रही है।' कमिश्नर ने कुछ केस स्टडी के जरिए पुलिस के काम को समझाया।

इन दो केसों का दिया उदाहरण... बालाघाट में बच्चा ही निकला गुनहगार, इंदौर में फर्जी वीडियो से मचा हड़कंप

- **केस-1**: बालाघाट में पहली पोस्टिंग का किस्सा है। एक दिन किशोर उम्र के एक घबराए हुए बच्चे का कॉल आया। पता चला कि जिस घर में वह रहता था वहाँ तीन लोगों का मर्डर हुआ था। 20 और 17 साल के दो लड़के और एक महिला का। सबके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। वह इस परिवार के किसी परिचित का बेटा था और इस घटना से घबराया हुआ तीन दिन तक मीडिया को इंटरव्यू देकर सहानुभूति लेता रहा। घर के मालिक और रिश्तेदार इकट्ठे हुए। पुलिस की गहरी पड़ताल में अंततः वही गुनहगार निकला। कई बार मीडिया का तात्कालिक कवरेज भावनात्मक होता है और ऐसे में सत्य तक पहुंचना कठिन हो जाता है। हमें जाँच-परखकर ही कुछ लिखना या बतान चाहिए। एक दशक में क्राइम का पैटर्न तेजी से बदला है।

- **केस-2**: इंदौर की एक युवती का वीडियो वायरल हुआ। वह अपने साथ कथित ज्यादती के बारे में कह रही थी कि मप्र में रहना नहीं चाहती है। शरीर पर चोट के निशान दिखाए। वीडियो ने देश भर में कोहराम मचा दिया। कई बड़े नेताओं ने बयान दे डाले। हम हर थाने में ढूंढते रहे मगर कहीं ऐसी कोई शिकायत तक नहीं आई थी। मीडिया की हेडलाइंस थीं-'महिलाएं असुरक्षित।'

छानबीन में पता चला कि नशे में दो युवतियों ने सोशल मीडिया पर केवल लाइक्स बटोरने के लिए वीडियो बनाकर चला दिया। ये घटनाएं बताती हैं कि एक मामूली सूचना पर सिस्टम किस तरह अपना समय और ऊर्जा एक गलत दिशा में खर्च करने को विवश हो सकता है। उन्होंने बताया कि विएना में आत्महत्या पर एक शोध से पता चला कि मीडिया में अतिरंजित घटनाएं नकारात्मक प्रभाव पैदा करती हैं। शोध के बाद दो माह तक कवरेज संतुलित रखा गया तो घटनाओं में 40 फीसदी की कमी आई। इसका सबक है कि हत्या-आत्महत्या जैसे घृणित क्राइम को अतिरेक में न लिखें। जितना जरूरी है उतनी ही सूचना दें। मास्टर क्लास में स्वागत कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। सूत्रधार थे एचओडी डॉ. संजय द्विवेदी। आभार कुलसचिव डॉ. पी. शशिकला ने माना।